हर साल साहनु तू भुलाई शेरावालिये

इहो साड़ी आस है पुजाइ शेरा वालिये,
हर साल साहनु तू भुलाई शेरावालिये,

पूत जीवे आंदा घर खेल के श्याम नु,
जिस तरह कौशलया मात उडीक दी सी मात नु,
साड़ियां उडीका ओहदा लाइ मेहरा वालिये,
हर साल साहनु तू भुलाई शेरावालिये,

सीपियाँ दे नाल मइयां सागर नई मिल जाने,
साढ़े यह बे आंत पाप तेतो नहीं गिने जाने,
उतो साडा खाता ही मिटाई लाता वालिये,
हर साल साहनु तू भुलाई शेरावालिये,

पाप आज किती माता बकश दे आखिर तू,
एहना उते फेर दे तू मेहर दी लकीर तू,
बच्चियां नु आगा तो बचाई मेहरा वालिये,
हर साल साहनु तू भुलाई शेरावालिये,

रोंदे नहीं माता पग हंजुआ दा हड़ जावे,
चरना दी बाण गंगा धुनि ना चढ़ जावे,
देके साहनु लोरियां जगाई शेरा वालिये,
हर साल साहनु तू भुलाई शेरावालिये,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/6983/title/har-saal-sahnu-tu-bhulaai-sheravaliye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |